an>

Title: Regarding CBI inquiry into the drug mafia in Meerut.

श्री राजेन्द्र अग्रवाल (मेरठ): अध्यक्ष जी, आजकल बहला-फुसलाकर नशीलें पदार्थों के सेवन का आदि बनाकर और उसके आधार पर महिलाओं के साथ दुÂकर्म करने की घटनाओं से समाज को खतरा पैदा हो रहा है। मैं आपके माध्यम से सदन को मेरे संसदीय क्षेत्र में हाल की एक घटना से अवगत कराना चाहता हूं। पिछले सप्ताह मेरठ के कुछ विद्यालयों में कम उम्र के छात्र-छात्राओं को दोस्ती के बहाने बहला-फुसलाकर एक गिरोह के कुछ लोगों द्वारा खाद्य सामग्री एवं फास्ट फूड इत्यादि में नशीले ड्रग्स मिलाकर सेवन करवाने की घटनाएं सामने आयी हैं। एक छात्रा जिसे गिरोह के कुछ लोगों ने लगभग एक वÂान से नशीले पदार्थों के सेवन की लत लगाकर नशे का आदी बनाया, तत्पश्चात इन लोगों ने ब्लेकमेल से लेकर सामुहिक दुÂकर्म करने की घटनाओं को अंजाम दिया। परंतु इस बहादुर छात्रा के निर्भीकतापूर्वक बयान देने के बावजूद, उस लड़की ने स्वयं स्वीकार किया और कोर्ट के समक्ष बयान दिया कि उसके साथ बहुत घृणित कार्य किया गया, उसके साथ रेप हुआ। लेकिन उसके बाद भी पुलिस और प्रशासन का रवैया इस अत्यंत चिंताजनक मामले में गंभीरतापूर्वक छानबीन करने के बजाय लीपापोती करने का रहा है।

अध्यक्ष महोदया, ऐसे गिरोह जिनकी जड़े संभवत: ड्रग तस्करी में लिप्त अंतरराज्यीय और अंतरराÂट्रीय गिरोहों से जुड़ी हो सकती हैं, जो युवा वर्ग को नशीली ड्रग्स के दलदल में धकेलने में लगे हैं। दिनांक 9 दिसम्बर, 2014 को लोक सभा में दी गई एक जानकारी के अनुसार वÂान 2014 में भारत में कुल 12168 ड्रग ट्रैफिकिंग के दर्ज मुकदमों में से लगभग एक-तिहाई 4064 मुकदमे उत्तर प्रदेश राज्य में दर्ज किये गये थे। इन आंकड़ों के आलोक में मेरठ में हुई उपरोक्त घटना की राÂट्रीय स्तर की सक्षम जांच एजेन्सी से विस्तृत जांच कराया जाना बहुत आवश्यक है। ताकि ड्रग माफियाओं के इस अंतरराज्यीय और अंतर्राÂट्रीय संजाल को पकड़ा जा सके। अभी-अभी माननीय गृह मंत्री जी यहां उपस्थित थे।

मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि इस बहादुर छात्रा को सुरक्षा मुहैया कराते हुए न्याय दिलाया जाए तथा युवा वर्ग को ड्रग्स के दलदल में धकेलने वाले इन ड्रग माफियाओं के खिलाफ सीबीआई जैसी सक्षम जांच एजेन्सी द्वारा जांच कराई जाए, ताकि भावी युवा वर्ग को इनके चंगुल से बचाया जा सके। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष : कुमारी शोभा कारान्दलाजे, श्री निशिकान्त दुबे एवं कुंवर पुÂपेन्द्र सिंह चन्देल को श्री राजेन्द्र अग्रवाल द्वारा उठाए गए विÂाय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।